ई-वॉलेट और ई-मेल की सुविधा शुरू

डिजिफेस्ट के दौरान प्रदेश के हर नागरिक के लिए ई-मेल और ई-वॉलेट की फ्री सुविधा का शुभारम्भ भी हुआ। सीएम ने दो महिला लाभार्थियों रेहाना बानो और राजेश गौड़ को राज.साइन, ई-वॉलेट, ई-मेल और एसएसओ सुविधायुक्त भामाशाह डिजिकिट सौंपे। इससे आमजन भी अपने दस्तावेज डिजिटल रूप से सुरक्षित रख सकेंगे। सरकार की ओर से नि:शुल्क ई-मेल और ई-वॉल्ट की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां हर नागरिक के लिए सरकार की ओर से ई-मेल की नि:शुल्क सुविधा शुरू की गई है। कोई भी नागरिक mail.rajasthan.in पर जाकर अपना ई-मेल एड्रेस बना सकेगा।

डिजिफेस्ट के समापन पर बोली सीएम : गवर्नेंस की समस्याओं पर समाधान दो, एक करोड़ लो

अब प्रॉब्लम्स का सोल्यूशन स्टार्टअप

पत्रिका डवलपमेंट ड्राइव

होगा 500 करोड़ का स्टार्टअप फंड

ला रहे हैं इंटीग्रेटेड 'आई स्टार्टअप'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

कोटा . श्रीनाथपुरम् स्थित यूआईटी ऑडिटोरियम में चल रहे 'डिजिफेस्ट' के समापन सत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की समस्याओं को दूर करने के लिए स्टार्टअप और एंटरप्रन्योर साथ काम कर सकते हैं। वे गर्वनेंस की समस्याओं के अच्छे समाधान लाएं। बेस्ट सोल्यूशन आइडिया को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। यह सरकार की नहीं, जनता की मदद होगी।

उन्होंने कहा कि जयपुर में भामाशाह टेक्नो हब बनेगा। यह स्टार्टअप और एंटरप्रन्योरशिप के लिए वन स्टोप डेस्टिनेशन होगा। मेंटरशिप से ऑफिस स्पेस तक सब एक ही छत के नीचे मिलेंगी। सीएम ने कहा कि देशभर से आईटी के जानकार युवा यहां हैं, मैं बताना चाहती हूं कि हम इंटीग्रेटेड स्टार्टअप प्लान 'आई स्टार्टअप' ला रहे हैं। यह देश में पहला ईको स्टार्टअप सिस्टम होगा। साथ ही इन स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए 500 करोड़ की राशि भी होगी। ये लोग एग्रीक्लचर, फाइनेंस, मेडिसिन और साइबर स्पेस किसी भी क्षेत्र में काम कर सकेंगे। इसमें क्यू रेटिंग सिस्टम प्रदेश में स्टार्टअप के लिए लागू होगा।

बंद हो गई वेबसाइट

डिजिफेस्ट में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था थी, लेकिन दूसरे दिन शुक्रवार को युवाओं की जबर्दस्त भीड़ उमड़ी। इससे बाहर सड़क तक कतार लग गई। सुबह 9 बजे पंजीयन शुरू हुआ, लेकिन 11.30 बजे पंजीयन की वेबसाइट बंद हो गई। इससे लोगों को परेशानी हुई और कई निराश लौट गए। आधे घंटे बाद दोबारा वेबसाइट चालू होने पर पंजीयन शुरू किया गया।

तमिलनाडु-बेंगलूरु विजेता, कोटा व राजस्थान कहां?

डिजिफेस्ट में आयोजित साफ्टवेयर और हार्डवेयर प्रतियोगिता 'हैकथॉन' में तमिलनाडु के युवाओं का 'स्मार्ट ड्रिप एरिगेशन सिस्टम प्रथम, बेंगलूरु का 'क्लासरूम व टीचर कनेक्ट' दूसरे और 'कृषि मित्र' तीसरे स्थान पर रहा है। इस पर सीएम ने कहा कि राजस्थान और कोटा का यूथ कहा है।

आई-स्टार्ट से मिलेगा स्टार्ट अप और निवेशकों को साझा मंच

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान राजस्थान स्टार्ट अप प्लेटफॉर्म आई-स्टार्ट भी लॉन्च किया। उन्होंने राजस्थान स्टैक डिजिस्थान ऑफइंडिया का भी शुभारम्भ किया। आई-स्टार्ट एक ऐसा एकीकृत स्टार्ट अप प्लेटफार्म है, जिसमें कम्पनी के रजिस्ट्रेशन के साथ ही उनमें निवेश करने वाली एंजल फण्डिंग और वेंचर केपिटल संस्थाओं को भी पंजीकृत किया जाएगा। सभी स्टार्ट अप्स की रैंकिंग और रेटिंग की जाएगी ताकि सर्वश्रेष्ठ स्टार्ट अप को आसानी से फण्डिंग एवं अन्य अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में स्टार्ट अप शुरू करने वाले युवाओं के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा।

चैलेंज फॉर चेंज प्लेटफॉर्म के माध्यम से समाधान

इस अवसर पर चैलेंज फॉर चेंज प्लेटफॉर्म का शुभारम्भ भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, इस प्लेटफॉर्म से युवा अपने नए विचार सरकार के साथ साझा कर सरकार के तंत्र को और अधिक बेहतर बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान और सेवाओं की बेहतरी के लिए सर्वश्रेष्ठ सुझाव एवं समाधान देने वाले युवाओं को राज्य सरकार के साथ काम करने के लिए एक करोड़ रुपए तक के ऑर्डर दिए जाएंगे। उन्होंने नई सोच और ऊर्जा के प्रोत्साहन के लिए राज्य में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आमंत्रण दिया।

'जनरेशन वाय' पर पूरा भरोसा

नवाचारों में देशभर में आगे राजस्थान

मुख्यमंत्री ने डिजिफेस्ट के समापन समारोह में कहा, हमारी 'जनरेशन वाय' में वह हुनर, काबिलियत और ऊर्जा है कि वे चाहें तो देश-प्रदेश को दुनिया में बुलंदियों पर पहुंचा सकते हैं। हमें युवाओं के कौशल और हौसले पर पूरा भरोसा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश का एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां राज्य सरकार ने स्वयं पहल कर इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि जयपुर लाइट हाउस प्रोजेक्ट शुरू करने वाला एशिया का पहला शहर है। इसी प्रकार रिफाइनरी परियोजना देश में एक मात्र ऐसी परियोजना है, जिसमें रिफाइनरी और पेट्रो केमिकल कॉम्प्लेक्स एक साथ होंगे।

600 स्टार्टअप में 33 को फंडिंग

सीएम ने कहा कि राजस्थानी के डीएनए में ही बिजनेस है। वर्ष 2014 से 2017 के बीच तीन साल में राजस्थान में 600 स्टार्टअप शुरू हुए। इनमें 33 स्टार्टअप को फंडिंग मिली, यह 14 करोड़ से ज्यादा है।

फाइव स्टार्टअप...

मंथन में बैठे और खोज निकाली तकनीक

सरकारी सिस्टम में लागू कर दिया तो सुधर सकता है ढर्रा

राजस्थान डिजि फेस्ट में पिछले 24 घंटे चली मंथन प्रतियोगिता में स्टार्टअप ने कई तकनीक खोज निकाली है। इन टेक्नोलॉजी से भविष्य में किसानों, विद्यार्थियों व आमजन को बहुत फायदा होगा। साथ ही अगर सरकारी सिस्टम में लागू कर दिया तो कामकाज का ढर्रा काफी हद तक सुधर सकता है।

1. बूंद-बूंद बचाएगा पानी

चेन्नई टेक्नोलॉजी कॉलेज के छात्र विगनेश, मुरुवाय आर्गेन, नेश मुथ्यू व प्रवीण राजा ने खेतों में सिंचाई पानी की बचत के लिए सृजना ड्रीप सिस्टम सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इसमें सेंसर व डिवाइस से ड्रीप सिस्टम ऑटोमेटिक कंट्रोल किया जाएगा। जिससे खेतों में सिंचाई के समय बहने वाले व्यर्थ पानी को रोका जा सकेगा। इसकी 8 से 10 हजार रुपए की लागत आएगी। डिजि फेस्ट 2017 में इस सिस्टम को प्रथम पुरस्कार के रूप में चुना है।

2. शिक्षक व बच्चे पढ़ सकेंगे एक साथ

बैंग्लूरू पीईएसआईटी साउथ कैम्पस के छात्र अभिजीत, अरविंद ने वचुर्अल रियलिटी एप्लीकेशन तैयार की है। इस एप्लीकेशन से शिक्षक व बच्चे ऑनलाइन जाकर पढ़ सकते हैं। इसमें शिक्षक अन्य देशों के विषय विशेषज्ञों की सेवाएं भी ले सकते हैं। इस एप्लीकेशन को डिजि फेस्ट में दूसरा स्थान मिला है।

3. किसानों को एसएमएस से मिलेगी जानकारी

बैंग्लूरू आईटी कॉलेज के छात्र शिवेश, रिषभ, साई कृष्णा ने कृषि मित्र सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस सॉफ्टवेयर से किसानों को उनके मोबाइल में एसएमएस से आधुनिक खेती-किसानी की जानकारी मिलेगी। इसके लिए उन्हें स्मार्टफोन खरीदने की भी जरूरत नहीं रहेगी। उन्हें नम्बर भी प्रदान किया जाएगा। उस नम्बर पर फोन करने के पर विशेषज्ञ उसे संबंधित जानकारी एसएमएस से देंगे। इस प्रोजेक्ट को डिजि फेस्ट में तीसरा स्थान मिला।

4. माइनिंग में अवैध वाहनों पर कसेगी लगाम

अलवर के लक्ष्मीदेवी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के विद्यार्थी स्वाती रानी, आयुश दीक्षित, यशस्वी पांडे ने ऑनलाइन माइनिंग वेब सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इससे माइनिंग साइट में चलने वाले अवैध वाहनों पर लगाम लगाई जा सकती है। इसमें वाहनों की नेम प्लेट व चालक की मॉनिटरिंग की जाएगी। नेम प्लेट स्कैन किया जाएगा। चालक के आधार नम्बर को सॉफ्टवेयर से जोड़ा जाएगा। इससे चालक को माइनिंग एरिया में जाने व न जाने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इससे सरकार ऑनलाइन सिस्टम से माइनिंग क्षेत्र में चलने वाले अवैध वाहनों पर लगाम लगा सकती है।

5. रोडवेज बस सिस्टम में होगा सुधार

सीजीसी जंजेडी कॉलेज मोहाली पंजाब के छात्र कोमल चौहान, मनमीत कौर, जसप्रित सिंह भट्टी ने बस ट्रेकिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर तैयार किया है। राजस्थान रोडवेज बसों का सिस्टम अच्छा नहीं है। बसों में सवारी नहीं मिलती। सीटें खाली रहती हैं। कई बार सवारी होने पर भी चालक द्वारा कम बता दी जाती है। पेट्रोल-डीजल चोरी होता है। बसों में एडवांस टीओटी व सेंसर से इस पर लगाम लगाया जा सकता है। इससे यूजर व गर्वेमेंट को फायदा होगा।

हैकाथॉन विजेता पुरस्कृत

डिजिफेस्ट में आयोजित राजस्थान हैकाथॉन-कोटा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में से चुनी गई प्रथम तीन टीमों को पुरस्कार दिए। मुख्यमंत्री ने इंटरनेट ऑफथिंग्स आधारित 'स्मार्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम' के लिए टीम 'सृजना' के प्रवीन राजा, मुरु वजाकन, विग्नेश कुमार एवं नेसामुथु को प्रथम पुरस्कार, 'वाइबरूम' प्रोडक्ट के लिए 'डेफनिंग साइलेंस' टीम के अभिजीत पदार्थी एवं अरविंद सुब्रमण्यम को द्वितीय तथा 'कृषि मित्र-ए फार्मर्स फ्रेंड' प्रोडक्ट के लिए 'कोड-लगाके-हईशा' टीम के रिषभ जैन, शिवेश सूद एवं नागासाईकृष्णा बोदावुला को तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्रमुख शासन सचिव सूचना एवं प्रौद्योगिकी अखिल अरोरा ने डिजिफेस्ट कोटा के आयोजन के उद्देश्य तथा आईटी से जुड़े युवाओं के लिए राजस्थान में उपलब्ध अवसरों तथा सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, खान एवं पेट्रोलियम राज्यमंत्री सुरेन्द्र पाल सिंह, कोटा- बूंदी ओम बिरला, बारां-झालावाड़ सांसद सहित स्थानीय विधायकगण, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, आईटी विशेषज्ञ और राजस्थान एवं अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में आए छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

फोटो गैलेरी...

आभासी दुनिया में खोए

वीआर सेट का आनंद लेते विधायक संदीप शर्मा व सांसद ओम बिरला।

इको फ्रैंडली

बेटरी चलित बाइक का ट्रायल लेते कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी।

वर्चुअल क्रिकेट

वीआर क्रिकेट का आनंद लेते खनन मंत्री सुरेन्द्रपाल टीटी।

तीसरी आंख की जद में शहर

डिजिफेस्ट में स्क्रीन पर दिखा शहर के प्रमुख चौराहों का नजारा।

वर्चुअल रियलिटी डिवाइस देखे

फेस्ट में बनाए गए डोम में एएमटीआरएके कम्पनी की ओर से वर्चुअल रियलिटी डिवाइस से युवाओं को हवामहल व अलबर्ट हॉल घुमाया गया। कम्पनी के अरुण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार व कम्पनी के बीच बात चल रही है। यदि बातचीत सफल होती है तो सभी संभाग मुख्यालयों पर केन्द्र बनाकर इसे लागू किया जाएगा।

जयपुर वॉल मोशन सेंसिंग का आनंद लेती विधायक चन्द्रकांता मेघवाल।

जिसके पास सर्वाधिक डाटा, वही किंग

कोटा @ पत्रिका . ब्रिपो के वाइस प्रेसीडेंट निखिल आसोपा ने कहा कि पहले जहां पेट्रोकेमिकल और ऑयल महत्वपूर्ण हुआ करता था। अब उनकी जगह डाटा ने ले ली है। जिसके पास सबसे ज्यादा डाटा है वह इस संसार में किंग है। जिसमें रिलायंस जियो व वाट्सअप शामिल है। राजस्थान में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के पास भी डाटा है। जो भामाशाह योजना, आधार और ईमित्र से मिल रहा है। इनके डाटा का मिलान करने पर धोखाधड़ी नहीं हो पाएगी। जैसे भामाशाह व बीपीएल कार्डधारकों को कुछ सब्सिडी मिलती है। इसके बाद उन्होंने ई-मित्र या दूसरे सोर्स से बिजली का 2500 रुपए का बिल जमा किया। इस डाटा से पता चलेगा कि सब्सिडी मिल रही है और इतना बिल जमा करा रहा है। यह डाटा तय कर देगा कि सब्सिडी सही आदमी को मिल रही है या नहीं। इस सत्र में प्रदेश के प्रमुख सचिव सूचना प्रोद्यौगिकी अखिल अरोड़ा, कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुनाल कलवाटिया, रेजोनेंस के फाउंडर आरके वर्मा मौजूद थे।

सेमिनार को सम्बोधित करते रिलायंस जीओ के सीईओ ।

सिस्टम में बने रहने के लिए इनोवेशन करते रहे

माइक्रोमैक्स के एमडी राजेश अग्रवाल ने कहा कि इनोवेटर ही देश को मजबूत करने का काम करते हैं। वे आइडिया पर काम करते हैं, वह सक्सेज होता है तो सरकार को टैक्स मिलता है। उन्होंने कहा कि देश की जनसंख्या ही हमारे लिए अवसर है। साथ ही कहा कि हम चार लोगों ने मिल माइक्रोमैक्स से शुरुआत की थी। इसके बाद 2005 में मोबाइल बिजनेस में उतरे थे। तब 75 फीसदी हिस्सेदारी नोकिया कंपनी की थी। हमने नए इनोवेशन किए। लम्बी बेट्री चलने वाला फोन मार्केट में लेकर आए। इसके बाद हम रूके नहीं, लगातार ड्यूल जीएसएम सिम, क्वेटरी कीपेड, एमपीथ्री फोन से लगातार इनोवेशन से जगह बना रखी है।

री-इमेजिनिंग एंटरप्रन्योरशिप सेशन में बोले एक्सपर्ट

चार फीसदी स्टार्टअप को ही मिलते हैं निवेशक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

कोटा. यूआईटी ऑडिटोरियम में चल रहे 'डिजिफेस्ट' के री-इमेजिनिंग एंटरप्रन्योरशिप सत्र में बिट्स पिलानी की फेकल्टी डॉ. देवेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि देश में हर माह 100 से 115 स्टार्टअप शुरू हो पाते हैं। इनमें 100 से 85 को अपने आइडिया को स्थापित करने के लिए फंडिंग नहीं मिल पाती। केवल चार से पांच फीसदी स्टार्टअप को बाहरी निवेशक मिलते हैं। इनमें सरकारी, सोश्यल और अन्य निवेशक पूंजी लगाते हैं।

इसी सत्र में अभिषेक कक्कर ने बताया कि एंटरप्रन्योर एक तरह का स्टार्टअप, फंडिंग और वीसी नहीं है। यह है कि अच्छा आइडिया, रिस्क लेना, आइडिया को लागू करना है। चेन्नई से आई केसन ने बताया कि वे 16 साल से गृहिणी हैं और उन्होंने हाल ही में श्रीडी प्रिंटिंग सेटेलाइट लांच किया है। लोग उनसे पूछते हैं कि आपकी टीम में कितने आईआईटीयन हैं तो वे जवाब देती हैं कि उनकी टीम में छह किशोर हैं जिनके पास ब्रिलियंट आइडिया हैं। राजेन्द्र मालेसर, अजय डाटा, शिल्पा बत्रा, रितेश अडवानी और भारती सिन्हा ने भी अपने स्टार्टअप के बारे में बताया।

पहला ऑटोमोबाइल स्टार्टअप जो इंटरनेशनल बना

'कार देखो' के सीईओ अनुराग जैन ने कहा कि हमने जयपुर से हमने शुरुआत की थी, छह साल में एक भी निवेशक नहीं मिला था। हमारी कंपनी में कार्मिक, मैं व मेरे भाइयों को मिलाकर 50 फीसदी हिस्सेदारी है। हमें 2013 में पहली बार निवेशक मिले। यह पहली ऑटोमोबाइल स्टार्टअप है, जो देश से निकल इंटरनेशनल बना है। इस पर 40 मिलियन लोग ऑटोमोबाइल की जानकारी लेते हैं।